सलाखों के पीछे उजाले की किरण

कहते हैं कि आत्ममंथन के लिए जेल से बेहतर जगह कोई और नहीं। जेल को पेशेवर–अपराधियों को सुधारने के लिए बना सरकारी सुधारगृह या नौसिखिया अपराधियों की पाठशाला माना जाता है। इस धारणा के अनुरूप आदर्श कारा बेऊर में बंद कुछ कैदी अकेलेपन का उपयोग पढ़ाई–लिखाई या अन्य रचनात्मक कार्यो में करने लगे हैं। स्वतंत्रता आन्दोलन का समय इसका गवाह है, जब जेल में रहकर कई महापुरूषों ने ऐतिहासिक पुस्तकों की रचना कर डाली थी।

बेऊर में बंद कैदियों ने भी शायद इससे थोड़ी प्रेरणा ली है। यहां अपराध और षड़यंत्र की चौपाल की जगह अब शिक्षा की कक्षाएं चलती हैं। सलाखों के पीछे की दुनिया में कई बंदियों के लिए अब ज्ञान का उजाला फैलने लगा है। दर्जनों कैदियों ने पठन–पाठन में मन लगाते हुए बेहतर अंको से परीक्षाएं पास की है। कई ने यहीं से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। अभी कुछ कैदी बीसीए व अन्य कोर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

हत्या, अपहरण व डकैती के सजायाफ्ता और विचाराधीन कैदियों का वर्त्तमान बेहतर हो रहा है। बीसीए पार्ट वन की 2009 में हुई परीक्षा में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला अजय कुमार झा अपहरण के मामले में बंद है। उसी के साथ बीसीए (प्रथम वर्ष) करने वाला है पवन कुमार सिन्हा। हत्या के मामले में बंद इस कैदी को 59 प्रतिशत अंक मिले हैं। अब उसकी निगाह बीसीए द्वितीय वर्ष की परीक्षा पर है। 26 नवम्बर से ही यह प्रतिदिन इग्नू के स्टडी सेंटर में जाकर पढ़ाई करता है। अपहरण के मामले में बंद अमरनाथ ने एमए प्रथम वर्ष में 60 प्रतिशत और अपहरण व हत्या मामले में वासुदेव कुमार ने एमए (राजनीति शास्त्र) द्वितीय वर्ष में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अपहरण मामले में बंद प्रवीण सिन्हा ने बीए द्वितीय वर्ष में 61 प्रतिशत, हत्या में बंद मयूर गुंजन ने बीए (राजनीति शास्त्र) में 55 प्रतिशत, संजय कुमार, नवीन एवं हिमांशु सिन्हा ने जर्नलिज्म में 60 प्रतिशत एवं ज्योति ने आईएससी की परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

इस वर्ष बेऊर जेल से बीसीए करने वालों में रंजीत के खिलाफ अपहरण, मनोज कुमार पर लूट, निर्मल सिन्हा पर ट्रेन लूट, मनोज पासवान पर हत्या, कृष्ण कुमार पर हत्या, रविन्द्र कुमार पर अपहरण व हत्या एवं राजनाथ सिंह पर हत्या का मामला चला है। हत्या के आरोप में बंद रविशंकर व सुधेश कुमार इंटर विज्ञान प्रथम वर्ष, हत्या मामले मे ही बंद धर्मेन्द्र कुमार, विकास कुमार आईए, इंदु भूषण बीए (इतिहास), अजय साह एवं जसवंत सिंह बीए (भूगोल), मो0 निजामुद्दीन राजा जर्नलिज्म से डिप्लोमा कर रहे हैं।